सिन्धी सभ्यता सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक है । सिन्धी संस्कृति की जड़े सिन्धु धारी सभ्यता मे है । यह सभ्यता लगभग 5000 वर्ष पुरानी है ।

सिन्धी नाम संस्कृत शब्द सिन्धु से लिया गया है , जो सिन्धु नदी का मूल नाम है । सिन्ध क्षेत्र सिन्धु घाटी सभ्यता का हिस्सा था , जो विश्व की सबसे पुरानी शहरी सभ्यताओं में से एक है ।

मोहनजोदड़ो तथा हड़प्पा शहर इस सभ्यता के महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थलों में से एक है । यह स्थल यह दर्शातें है कि सिन्धी लोग उस समय भी प्रगतिशील थे । उन्होने कला एंव संस्कृति के क्षेत्र में उस समय भी बहुत बड़ी छलांग लगाई थी । सिन्धियों का इतिहास समृद्व एवं विविधतापूर्ण है , जिस पर विभिन्न सम्यताओं का प्रभाव दृष्टिगोचर होता है ।

अरबों ने सबसे पहले सिन्ध क्षेत्र में विलय प्राप्त की इसी के साथ सिन्ध में इस्लाम का आगमन हुआ । इसके बाद इस क्षेत्र में विभिन्न इस्लामी शासकों का शासन रहा ।

सिन्धी इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक विभाजन है । 1947 में हुए विभाजन के दौरान सिन्ध को भारत और नवगठित पाकिस्तान के मध्य विभाजित किया गया था । सिन्ध में रहने वाले अधिकांश सिन्धी भारत में चले आये । यह विभाजन सिन्धियों के लिए एक निर्णायक मोड़ था । मुस्लिम सिन्धियों ने पाकिस्तान में रहने का निर्णय लिया । आज पाकिस्तान में रहने वाले 80 से 90 प्रतिशत सिन्धी मुस्लिम है ।

भारत में सिन्धी लोग अधिकांश हिन्दू है । ऐतिहासिक रुप से सभी सिन्धी हिन्दू है । समय – समय पर इस्लामिक शासकों के दबाव व अत्याचारों से इस्लाम धर्म अपनाया । सिन्धियों पर इस्लामिक शासक ने बहुत अत्याचार किये तथा बलपूर्वक धर्म परिवर्तन करवाकर इस्लाम अपनाने को मजबूर किया ।

विभाजन की त्रासदी के कारण अधिकांश सिन्धी लोगो को अपना सामान , सम्पति इत्यादि अपने वतन में ही छोड़ना पड़ा । भारत में पलायन करने वाले अधिकांश हिन्दू सिन्धी लोगों ने लगभग सब कुछ खो दिया । हिन्दू सिन्धी अपनी जड़ो सहित अपने वतन से उखड़ गये तथा इन जड़ो सहित नये स्थान पर स्थापित होने में अपनी दो पिढियों तक संघर्ष करना पड़ा । भारत में वे शरणार्थी बनकर आये तथा मुख्य रुप से कुछ चुनिन्दा शहरों में ही बसे ।

भारत के अलावा सिन्धी परिवार पूरी दुनिया में फैल गये । यथा हांगकांग , चीन , अमेरिका , ब्रिटेन , यूरोप और अफ्रीका । आज शायद ही ऐसा कोई देश हो जहां सिन्धी नही हो । इतना सब होते हुए भी सिन्धी समुदाय ने अपनी सांस्कृतिक जड़ो से मजबूत संबंध बनाये रखा है ।

भले ही संख्या में कम हो परन्तु अपनी सूझबूझ , कड़ी मेहनत तथा स्वाभाविक व्यवसायिक सूझबूझ से अपने बसने का स्थान पर समृद्वि के उच्चतम स्तर हासिल किये । यही नही बसने वाले देश की अर्थव्यवस्था में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है ।

संख्या में कम होते हुए सिन्धी लोगों का समाज में बहुत बड़ा योगदान है । वे हर क्षेत्र से अपनी भूमिका निभाते है । अपने अच्छे कार्यों के लिए सरकार से किसी भी प्रकार की सहायता /अनुदान की आवश्यकता नही रखते है । ये कार्य वे स्वयं करते है । उन्होंने समाज के लिए कई प्रतिष्ठित सामाजिक एवं कल्याणकारी संस्थान जैसे अस्पताल , स्कुल और कॉलेज स्थापित किये जो न केवल सिन्धियों ब्लकि समस्त जातियों व धर्मो के लिए समान रुप से सेंवाएं देते है।

सिन्धी सबसे शान्तिप्रिय समुदायों में से एक है हमेशा सद्भाव से रहते है । सिन्धी समाज को एकता व स्थिरता प्रदान करते है । भारत में सिन्धी समुदाय ने हीरानन्दानी, हिन्दूजा समूह और राजहैजा समूह जैसे व्यवसायिक प्रतिष्ठान स्थापित किये है । फिल्म उधोगो मे भी सिन्धी समुदाय को उल्लेखनीय योगदान है । अविस्मरणीय फिल्म शौले के निर्माता '' सी.पी. '' सुपरस्वर रणवीरसिंह भी सिन्धी है ।

हमारे युवा सिन्धी ब्लांगर और यूट्यूबर बेहतरीन विडियो व कटेंट बना रहे है , इनमें से कुछ है सिन्धीवाद , कर्ली टेल्स , आशीष चंचलानी वाईस , सिन्धी रसोई ढलाग मे सभी अत्यन्त प्रतिभाशाली है तथा सिन्धी युवा पिढी के आदर्श है ।

सिन्धी विश्व में की भी रहते हो वे समाज के लिए अमूल्य सम्पति है ।

सिन्धी समाज , समाज के सभी वर्गो, जातियों , धर्मों के लिए आदर्श समुदाय के रुप में जाना पहचाना जाता है । गर्व से कहो हम सिन्धी है ।